PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (12.01.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 12.01.2025, PAGE-04

विवि में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शुरू

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में स्नातक प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024-28 की परीक्षा गुरुवार से शुरू हुई। परीक्षा में एक लाख 56 हजार परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के लिए 56 सेंटर बनाये गये हैं। परीक्षा दो पालियों में हो रही है। सबसे पहले मेजर विषयों की परीक्षा होगी। उसके बाद माइनर और फिर एमडीसी और स्किल एनहांसमेंट कोर्स की परीक्षा ली जायेगी। कड़ाके की ठंड में भी परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही परीक्षार्थियों की भीड़ रही। पहले दिन राजनीति विज्ञान, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र और मैथिली विषय, भूगोल, बॉटनी, उर्दू, इलेक्ट्रॉनिक्स और परसियन विषय की परीक्षा हुई।

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR DATE:12.01.2025 PAGE-04

विश्वविद्यालय में इस बार बजट ऑनलाइन

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में इसबार बजट ऑनलाइन बनाया जायेगा। शिक्षा विभाग ने इसका निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग के अनुसार बजट को समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना है। अब तक बीआरएबीयू में ऑफलाइन बजट बनाया जाता था। इसबार बीआरएबीयू का बजट एक हजार करोड़ से अधिक हो सकता है। बजट में नैक और खेल के मद में राशि बढ़ाई जा सकती है।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR DATEL 12.01.2025, PAGE-06

संस्कृत के विभागाध्यक्ष बने प्रो. श्यामबाबू

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में संस्कृत के नए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर श्यामबाबू शर्मा बनाए गए हैं। निवर्तमान अध्यक्ष का कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद विवि प्रशासन ने शनिवार को नए विभागाध्यक्ष की अधिसूचना जारी की है।

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 12.01.2025, PAGE-06

रोबोट करेगा घर की निगरानी, मोबाइल से कर सकते संचालित

बीआरएबीयू

- कृषि सहित अन्य कार्य में भी ली जा सकती है मदद
- पीएचडी वाइवा में सर्विलांस रोबोट का हुआ प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। घर की निगरानी अब रोबोट से कराई जा सकती है। दूर बैठकर भी उसे संचालित किया जा सकता है। इसकी मदद घर से लेकर कृषि तक के काम हो सकते हैं। ये सारे काम बीआरएबीयू रोबो-एक करेगा। इसका प्रदर्शन शनिवार को कुलपति समेत अन्य शिक्षकों के सामने हुआ। इसका प्रदर्शन देख कुलपति सहित सभी शिक्षक अचंभित हो गए।

विवि इलेक्ट्रॉनिक विभाग में पीएचडी वाइवा में सर्विलांस रोबोट का प्रदर्शन हुआ। विभाग में रोबोटिक्स विषय पर शोधार्थी अमरनाथ ने पीएचडी थीसिस प्रस्तुत किया। वाइवा में उन्होंने अपने द्वारा बनाए गए सर्विलांस रोबोट को प्रदर्शित किया। उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया शोध सर्विलेंस रोबोट के डिजाइन पर था। इसमें उन्होंने रोबोट एप डेवेलप किया और उस एप के सहारे मोबाइल फोन के माध्यम से दूर से रोबोट को कंट्रोल करने की विधि विकसित की।

घर की निगरानी के लिए मोबाइल एप से रोबोट को संचालित किया जा सकता है। यही नहीं, उससे वीडियो या फोटो भी लिया जा सकता है। शोधार्थी अमरनाथ ने बताया कि यह सर्विलांस रोबोट महज पांच हजार की लागत में बना है। प्रेजेंटेशन में उन्होंने इस रोबोट के कृषि तथा अन्य कार्यों में उपयोगिता की संभावना के बारे में भी बताया। बताया कि उन्होंने यह शोध अपने सुपरवाइजर बीएन कॉलेज पटना के प्राचार्य डॉ. राज किशोर प्रसाद के निर्देशन में किया है। बिहार विवि के इलेक्ट्रॉनिक विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने इस रोबोट का नाम बीआरएबीयू रोबो-एक रखा। पीएचडी की परीक्षा के लिए बीएचयू के कंप्यूटर साइंस के प्रो. मनोज कुमार सिंह भी आए थे। शोधार्थी अमरनाथ ने शोध को लेकर बनाए रोबोट सिस्टम को वीसी, विभागाध्यक्ष संजय कुमार और बीएचयू के प्रोफेसर को भेंट किया।

शनिवार को पीएचडी वाइवा में सर्विलांस रोबोट का प्रदर्शन करता शोधार्थी।

ऐसा शोध करें जिससे लोगों का बेहतर हो जीवन : वीसी

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में शनिवार को आयोजित पीएचडी के वाइवा में कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पीएचडी डिग्री प्राप्त करना शोध का सिर्फ एक पड़ाव है। शोधार्थियों को आगे भी इस क्षेत्र में सक्रिय रहना चाहिए। उन्होंने विवि की उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा कि उच्च स्तरीय शोध ही विवि की प्रतिष्ठा बढ़ाता है और समाज के लिए भी लाभकारी होता है। कुलपति ने पीएचडी वाइवा इवेलुएशन कमेटी की अध्यक्षता की और शोधार्थियों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन किया। साथ ही शोधार्थियों के ज्ञान और टॉपिक की समझ का परीक्षण करने के लिए उनके शोध विषयों पर प्रश्न भी पूछा। कहा कि शोध का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि नए ज्ञान और समाधान उत्पन्न करना होना चाहिए ताकि लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके। मौके पर पीएचडी गाइड और पटना बीएन कॉलेज के प्राचार्य प्रो राजकिशोर प्रसाद ने भी शोधार्थियों को पीएचडी के बाद भी शोध कार्य जारी रखने की अपील की।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR DATE:12.01.2025, PAGE-06

विवि मेंस क्रिकेट टीम का कैंप झपहां में लगेगा

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू मेंस क्रिकेट की टीम का विशेष कैंप 14 से 18 जनवरी तक झपहां स्थित तिरहुत फिजिकल कॉलेज के खेल मैदान में लगेगा। स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव डॉ. कांतेश कुमार ने तिरहुत फिजिकल कॉलेज के खेल मैदान में टर्फ विकेट होने से इसको प्रशिक्षण शिविर की जिम्मेदारी सौंपी है। कॉलेज शाषी निकाय के संयुक्त सचिव मनीष कुमार ने इसकी जानकारी दी।

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:12.01.2025, PAGE-06

शनिवार को कन्या उत्थान के पोर्टल पर छात्राओं के नाम अपडेट कराती रजिस्ट्रार ।

कन्या उत्थान को लेकर हंगामा रजिस्ट्रार ने कराया डाटा अपडेट

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददता। बीआरएबीयू में कन्या उत्थान योजना को लेकर शनिवार को फिर हंगामा हुआ। कन्या उत्थान के लिए छात्राओं का डाटा अपडेट करने की शनिवार को आखिरी तारीख थी। इस कारण सुबह 10 बजे से ही छात्राओं की लंबी कतार लगी थी। इसी दौरान छात्राओं का डाटा अपडेट कराने के लिए कुछ बिचौलिये भी विवि के प्रशासनिक भवन में घुसकर हंगामा करने लगे। उनके साथ कुछ छात्राएं भी हंगामा करने लगीं।

सुबह से दोपहर तक कन्या उत्थान के लिए हंगामा होता रहा। हंगामा इतना बढ़ गया कि कर्मचारियों को काम करने में परेशानी होने लगी। हंगामा बढ़ते देख विवि प्रशासन ने दोपहर बाद करीब तीन बजे पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के आते ही कन्या उत्थान के लिए कतार में खड़े कई बिचौलिये भागने लगे। इस दौरान कुछ देर तक विवि परिसर में अफरातफरी मची रही।

छात्राओं की लंबी कतार और हंगामे के बाद रजिस्ट्रार प्रो अपराजिता कृष्ण कन्या उत्थान के लिए लगी कतार के पास पहुंची। इसके बाद रजिस्ट्रार ने खुद छात्राओं का डाटा अपने लैपटॉप से अपडेट करना शुरू किया। रजिस्ट्रार के आने के बाद छात्राएं भी शांत हुईं। शनिवार देर शाम तक कन्या उत्थान के डाटा को पोर्टल पर अपडेट किया जा रहा था। रजिस्ट्रार की देखरेख में देर शाम तक पोर्टल पर डाटा अपडेटा किया जाता रहा।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR DATE:12.01.2025 PAGE-06

अब अटेंडेंस शीट पर रहेगी छात्रों की तस्वीर

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब वोकेशनल की परीक्षा में अटेंडेंस शीट पर विद्यार्थियों की तस्वीर रहेगी। परीक्षा विभाग ने परीक्षा में फर्जी छात्रों को रोकने के लिए यह पहल की है। बिहार विवि में 15 जनवरी से वोकेशनल की परीक्षा है। सभी विषयों के अटेंडेंस शीट पर विद्यार्थियों की तस्वीर लगाई जाएगी।

विवि की परीक्षा में पहली बार ऐसा हो रहा जब अटेंडेंस शीट पर विद्यार्थियों की तस्वीर लगाई जाएगी। अब तक सिर्फ एडमिट कार्ड पर छात्रों की तस्वीर रहती थी। एटेंडेंस शीट पर छात्रों की तस्वीर की सूचना केंद्र अधीक्षक को दे दी गई है। फोटो के साथ अटेंडेंस शीट पर छात्र का नाम, रोल नंबर और रजिस्ट्रेशन नंबर पहले से रहेगा। छात्र को सिर्फ कॉपी नंबर और हस्ताक्षर करना होगा। वोकेशनल के बाद सामान्य स्नातक की परीक्षाओं में भी ऐसा करने पर विचार किया जा रहा है।

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 12.01.2025, PAGE-04

एक वर्ष में कुलपति के 13 शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल में हुए प्रकाशित

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय के विगत एक वर्ष में 13 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। बीएचयू के पूर्व वरिष्ठ प्राध्यापक रहे प्रो. डीसी राय के निर्देशन में दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की शोध छात्रा डा. सलोनी ने पिगमेंटेड ब्लैक राइस (काला चावल) पर अपना शोध कार्य किया है।

इसके लिए काला चावल की किस्म (चक-हाओ) मणिपुर से मंगाया गया। काले चावल की चक-हाओ किस्म को 2019 में मणिपुर में जीआइ टैग भी मिला है। शोध में बताया गया है कि पिग्मेंटेड चावल की किस्में अपने समृद्ध पोषक तत्व और न्यूट्रास्यूटिकल्स के कारण विभिन्न चयापचय असामान्यताओं को विनियमित करके मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं। पिग्मेंटेड चावल का उपयोग विभिन्न खाद्य उत्पादों जैसे बर्फी, आइसक्रीम, इडली, पोषण ऊर्जा बार, चाकलेट, केक, पास्ता और खीर आदि को तैयार करने के लिए किया जा सकता है। ये भविष्य में मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए लाभकारी प्रभाव देगा। कुलपति प्रो. डीसी राय ने संदेश दिया है कि दैनिक जीवन में पिगमेंटेड चावल का उपयोग करें और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें।

कुलपति के निर्देशन में पिगमेंटेड ब्लैक राइस (काला चावल) पर किया गया नया शोध कार्य

प्रो. डीसी राय, कुलपति • जागरण आर्काइव

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 12.01.2025, PAGE-04

अब रोलशीट पर होगी परीक्षार्थियों की तस्वीर

वोकेशनल परीक्षा से लागू होगी व्यवस्था फर्जीवाड़ा रोकने व अनुपस्थिति-उपस्थिति की मानीटरिंग आसान

प्रशांत कुमार • जागरण

मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब वोकेशनल कोर्स की होने वाली परीक्षाओं में नई व्यवस्था लागू की गई है। अब इन परीक्षाओं में रोलशीट पर छात्र-छात्राओं की तस्वीर भी होगी। इससे परीक्षार्थियों की पहचान हो सकेगी। परीक्षा में फर्जीवाड़ा रोकने और अनुपस्थिति- उपस्थिति की मानीटरिंग के लिए इसे शुरू किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 15 जनवरी से होने वाली दर्जन भर से अधिक वोकेशनल परीक्षा में यह व्यवस्था पहली बार लागू की जा रही है। अब तक की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को रोलशीट पर हस्ताक्षर और अन्य जानकारी दर्ज करनी होती थी। नई व्यवस्था में अब छात्र-छात्राएं अपनी फोटो के सामने ही हस्ताक्षर और क्रमांक समेत अन्य जानकारी देंगे। विश्वविद्यालय की ओर से रोलशीट की स्कैन कापी सभी केंद्रों पर भेजी जा रही है। इसे नए फार्मेट के अनुसार तैयार कराया गया है। सभी केंद्राधीक्षकों को निर्देश जारी किया जा रहा है कि वे सावधानी से नए फार्मेट को भरवाएं। दूसरी ओर परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया में आवेदन पर छात्र-छात्राओं को अपनी तस्वीर चिपकानी होती है। कालेज या विभाग के स्तर से फार्म भराने के बाद इसकी कापी विश्वविद्यालय में जमा कराई जाती है। इसके बाद विश्वविद्यालय स्तर से फोटो को स्कैन करते हुए एडमिट कार्ड जारी किया जाता है। कालेजों की ओर से भेजे गए आवेदन फार्म से ही विद्यार्थियों की तस्वीर की स्कैनिंग करते हुए रोलशीट पर उपलब्ध कराई गई है। परीक्षा नियंत्रक डा. सुधालाल पासवान ने बताया कि पहली बार वोकेशनल की परीक्षा में रोलशीट पर तस्वीर होगी।

15 जनवरी से होने वाली परीक्षाओं में पहली बार की जाएगी शुरुआत

एडमिट कार्ड हो रहा जारी कर सकते डाउनलोड

फार्म भरने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अब वोकेशनल परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी किया जा रहा है। कई कोर्सों का एडमिट कार्ड जारी हो चुका है। इसे छात्र वेबसाइट से डाउनलोड कर रहे हैं। दूसरी ओर त्रुटि होने के कारण सुधार के बाद कुछ छात्रों एडमिट कार्ड भी जारी किया जाना है। 15 जनवरी से 15 वोकेशनल कोर्स की परीक्षा होनी है। इसके लिए ओल्ड सोशल साइंस ब्लाक से लेकर अन्य स्थानों पर केंद्र बनाया गया है।

हंगामे के बाद खुला परीक्षा विभाग का दरवाजा

- गार्ड की उपस्थिति में लाइन लगाकर विभिन्न सेक्शन में दिया गया छात्र-छात्राओं को प्रवेश
- गेट बंद करने पर पहले प्रवेश के लिए होती है धक्का-मुक्की और बहस, अब बारी-बारी से प्रवेश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में हंगामे के बाद शनिवार को एक बार फिर परीक्षा विभाग का मुख्य दरवाजा खोल दिया गया। इसके बाद परीक्षार्थी परीक्षा विभाग की तरफ जाने वाले हाल से अंदर प्रवेश करने लगे। विद्यार्थियों को परीक्षा विभाग के हाल में गार्ड की उपस्थिति में लाइन लगाकर विभिन्न सेक्शन में प्रवेश दिया जाने लगा। दोपहर बाद तक यह व्यवस्था लागू रही।

इससे पहले परीक्षा विभाग का मुख्य दरवाजा बंद होने के कारण वहां पहुंचे छात्र-छात्राओं ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। उनका कहना था कि गेट बंद होने से एक-एक कर प्रवेश मिलता है। इससे संबंधित सेक्शन तक पहुंचने में काफी देरी हो जाती है। इस पर छात्रों ने गेट खोले जाने की मांग करने लगे। वहां मौजूद गार्ड के साथ विद्यार्थियों की कहासुनी भी हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देश पर बंद हुए गेट को खोल दिया गया। तय हुआ कि विभिन्न कार्यों को लेकर परीक्षा विभाग में पहुंचने वाले छात्र संबंधित सेक्शन में बारी-बारी से जाएंगे। शुरुआत में कई बार छात्र-छात्राओं ने परीक्षा नियंत्रक से गेट खोलने का अनुरोध किया। उन्होंने एक-एक कर छात्रों को अपना आवेदन परीक्षा विभाग में जमा करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में एक दिन पहले मुख्य गेट बंद करने के बाद छात्र-छात्राओं ने प्रवेश के लिए हंगामा किया था। इसके बाद विश्वविद्यालय स्तर से दरवाजा बंद कर टेबल लगाकर आवेदन लिया जाने लगा था। शनिवार को हंगामे के बाद फिर से गेट खोल दिया गया।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का खुला दरवाजा • जागरण

पोर्टल पर नाम जुड़वाने आवेदन के साथ पहुंचीं छात्राएं : कन्या उत्थान पोर्टल पर नाम जुड़वाने के लिए शनिवार को काफी छात्राएं पहुंचीं। अंतिम दिन होने के कारण वे जल्द से जल्द अपना आवेदन जमा करा रही थीं। कई छात्राओं ने तिथि विस्तारित करने की मांग की है। दोपहर में रजिस्ट्रार डा. अपराजिता कृष्णा मौके पर पहुंचीं। उन्होंने टेबल लगाकर काउंटर पर ही छात्राओं का आवेदन स्वीकार कराया। कई छात्राओं के नाम अब तक पोर्टल पर नहीं जोड़े जा सके हैं। देर शाम तक जमा हुए आवेदनों की एंट्री कराई जाती रही।

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 12.01.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू : उपस्थिति पत्रक पर रहेगी तस्वीर

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षाओं में लगातार फर्जी परीक्षार्थियों के बैठने के बाद अब सभी उपस्थिति पत्रक पर छात्रों की तस्वीर प्रिंट करने का निर्णय लिया गया है. विश्वविद्यालय की ओर से सभी केंद्रों पर इसे परीक्षा शुरू होने से पूर्व भेज दिया जाएगा. परीक्षा शुरू होने से पूर्व उपस्थिति दर्ज कराने के दौरान उससे परीक्षार्थियों का चेहरा मिलान किया जाएगा. विशेषकर वोकेशनल, बीएड, लॉ आदि परीक्षाओं में इसपर सख्ती होगी.

कुलपति के निर्देशन में हुआ रंगीन चावल पर शोध

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेश चंद्र राय के निर्देशन में रंगीन चावल के उपयोग पर शोध किया गया है. यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है. डेयरी उत्पादों में रंगीन चावल के उपयोग पर हुए इस शोध में प्रो.राय की अहम भूमिका रही है.

बीएचयू की शोध छात्रा डॉ सलोनी ने यह शोध किया है. इसमें यह बात सामने आयी है कि मणिपुर के जीआइ टैग वाले उत्पाद चाक हाओ किस्म के काले चावल पर केंद्रित है. शोध में कम कैलोरी वाली कार्यात्मक आइसक्रीम में काले चावल के अर्क को शामिल करने की व्यवहार्यता प्रदर्शित की गयी है. कुलपति के निर्देशन में डॉ सलोनी, डॉ राजकुमार दुआरी और डॉ राकेश कुमार सिंह की टीम ने यह शोध किया है. जर्नल ऑफ फूड एंड बायोप्रोसेस टेक्नोलॉजी में यह प्रकाशित हुआ है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE:12.01.2025,
PAGE-04

विश्वविद्यालय के शोधार्थी ने तैयार किया सर्विलांस रोबोट

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के शोधार्थी अमरनाथ ने सर्विलांस रोबोट तैयार किया है. शोधार्थी ने बनाये गये सर्विलांस रोबोट बीआरएबीयू रोबो-01 को शनिवार को विशेषज्ञों के सामने डेमॉन्स्ट्रेट किया. सर्विलेंस रोबोट के डिजाइन पर उन्होंने शोध कार्य किया. इसके बाद उन्होंने रोबोट ऐप विकसित किया. इसी ऐप के सहारे मोबाइल फोन के माध्यम से दूर से रोबोट को कंट्रोल किया जा सकता है. इस रोबोट के माध्यम से अपने घर का सर्विलेंस मोबाइल कॉल के द्वारा कर सकते हैं. मोबाइल पर इंस्टॉल्ड एप्स के माध्यम से रोबोट को घर में घुमाया जा सकता है.घुमाते हुए उनका वीडियो या फोटोग्राफ्स लिया जा सकता है.

PRABHAT KHABAR
DATE: 12.01.2025,
PAGE-04

पैट-2021 के पीजीआरसी के लिए शुरू हुई तैयारी

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी सत्र- 2021 के अभ्यर्थियों के सिनाप्सिस को पोस्ट ग्रेजुएट रिसर्च काउंसिल से स्वीकृति दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है.

सभी पीजी विभागों को कहा गया कि वे डीआरसी से सिनॉप्सिस को स्वीकृत करा पीजीआरसी के लिए प्रस्तावित करें. सभी विभागों की ओर से प्रस्ताव आने के बाद पीजीआरसी की तिथि निर्धारित की जाएगी. कई विभागों में डीआरसी से सिनॉप्सिस को स्वीकृत करा लिया गया है. बता दें कि पीएचडी का सत्र करीब दो वर्ष विलंब हो गया है. ऐसे में विभाग की ओर से इस सत्र के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी है. वहीं 2022 सत्र का साक्षात्कार होने के बाद परिणाम का इंतजार हो रहा है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

VISHWA GURU BHARAT, MUZAFFARPUR, DATE:12.01.2025, PAGE-04

पिगमेंटेड चावल का उपयोग कार्यात्मक डेयरी उत्पादों के निर्माण में और मानव स्वास्थ्य पर इसका लाभकारी प्रभाव

कोमल शाही (विश्व गुरु भारत)

मुजफ्फरपुर। दुनिया की आधी से अधिक आबादी अपनी पोषण और आहार संबंधी मांगों को पूरा करने के लिए चावल पर निर्भर है। चावल अपने जीवनदायी गुणों के कारण भारत में समृद्धि और उर्वरता का प्रतीक भी है। 2022-2023 फसल वर्ष में वैश्विक स्तर पर 165.04 मिलियन हेक्टेयर में अनुमानित 513. 54 मिलियन मीट्रिक टन चावल का उत्पादन किया गया। आमतौर पर घरों में सफेद चावल खाया जाता है, लेकिन चावल सिर्फ सफेद नहीं बल्कि अन्य रंगों का भी होता है। रंग बिरंगे दानों के साथ चावल की काली भूरी, लाल, और गहरे बैंगनी रंग की किस्में पिगमेंटेड चावल की श्रेणी में आती हैं। ऐसी किस्मों में पाए जाने वाले बायोएक्टिव पदार्थों में अमिनो एसिड, फ्लेवोन, फेनोलिक्स, आवश्यक तेल स्टेरोल्स, -ओरीजानॉल्स, टैनिन और टोकोफेरोल्स शामिल हैं। समृद्ध पोषक तत्व के अलावा पिगमेंटेड चावल की किस्में तनाव मोटापा, हृदय संबंधी, ट्यूमर, कैंसर और हार्मोन असंतुलन जैसे चयापचय संबंधी विकारों को नियंत्रित करके मानव स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं। हालाँकि ऐसी किस्में कुल वैश्विक चावल उपज का केवल 0.1 प्रतिशत है, जिसका मुख्य कारण किसानों और उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता की कमी है, जिससे बाजार की क्षमता सीमित हो गई है। इसलिए पिगमेंटेड चावल के उत्पादन और अनुप्रयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। खाद्य, दवा, पैकेजिंग उद्योगों और प्रसाधन उत्पाद बनाने में रंगीन चावल का उपयोग कई अध्ययनों का विषय रहा है। पिगमेंटेड चावल में विविध प्रकार के एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जैसे मालविडिन 3-ग्लूकोसाइड, साइनाइडिन 3-ओ ग्लूकोसाइड, साइनाइडिन 3 रूटीनोसाइड, और साइनाइडिन 3-5 डाइग्लूकोसाइड, पेओनिडिन- ओ ग्लूकोसाइड, साइनाइडिन 3 सैम्बुबियोसाइड और साइनाइडिन 3-जेंटियोबायोसाइड। हालाँकि ये बायोएक्टिव पदार्थ प्रकाश, पीएच तापमान और अन्य कारकों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। इसलिए इन यौगिकों को रोकने के लिए उचित सुरक्षा उपायों का उपयोग आवश्यक है और पिगमेंटेड चावल में मौजूद इन कार्यात्मक बायोएक्टिव यौगिकों को प्राप्त करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक तरीकों का उपयोग करके निकाला जा सकता है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के दुग्ध विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की शोध छात्रा डॉ. सलोनी ने प्रोफेसर दिनेश चंद्र राय की मार्गदर्शन में पिगमेंटेड ब्लैक राइस (काला चावल) पर अपना शोध कार्य किया है। शोध कार्य के लिए काला चावल की किस्म (चक-हाओ) मणिपुर से मंगाया गया। काले चावल की चक-हाओ किस्म को 2019 में मणिपुर में जीआई टैग भी मिला है। उन्होंने कार्यात्मक डेयरी उत्पादों के निर्माण में काले चावल के महत्व को समझाया और कम कैलोरी वाली कार्यात्मक आइसक्रीम के निर्माण में काले रंग वाले चावल के अर्क का उपयोग किया एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किया। इसके साथ, डॉ. सलोनी सह-लेखक प्रोफेसर दिनेश चंद्र राय (वरिष्ठ प्रोफेसर बीएचयू वाराणसी एवं वर्तमान में बाबा भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति) डॉ. राज कुमार दुआरी (प्रोफेसर, बीएचयू, वाराणसी) और डॉ. राकेश कुमार सिंह (प्रोफेसर, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका) के साथ जर्नल ऑफ फूड एंड बायोप्रोसेस टेक्नोलॉजी (इम्पैक्ट फैक्टर: 5.3) में पिगमेंटेड चावल में बायो-फंक्शनल कंपाउंड्स: एक्सट्रैक्शन्स, डिलीवरी मोड और खाद्य प्रणालियों में अनुप्रयोग पर आधुनिक अपडेट नामक एक समीक्षा पत्र लिखा है, जो स्प्रिंगर साइंस और बिजनेस मीडिया द्वारा प्रकाशित एक सहकर्मी-समीक्षित वैज्ञानिक पत्रिका है। समीक्षा पत्र में एक उपयुक्त वितरण प्रणाली द्वारा खाद्य मैट्रिक्स में पिगमेंटेड चावल के अर्क/संपूर्ण अर्क का निष्कर्षण, एनकैप्सुलेशन और उपयोग, पिगमेंटेड चावल में मौजूद विभिन्न बायोएक्टिव यौगिकों को स्थिरता और घुलनशीलता प्रदान करने के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण है। इस बात का भी वर्णन है कि पिग्मेंटेड चावल की किस्में अपने समृद्ध पोषक तत्व और न्यूट्रास्यूटिकल्स के कारण विभिन्न चयापचय असामान्यताओं को विनियमित करके मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं। पिगमेंटेड चावल से निकाले गए विभिन्न प्रकार के एनकैप्सुलेटेड न्यूट्रास्यूटिकल्स को विभिन्न तकनीकों द्वारा कैसे विकसित और वर्गीकृत किया गया है, इसका भी विस्तार से वर्णन किया गया है। कार्यात्मक खाद्य विकास के निर्माण में उपयोग किया जा सकता है, लेकिन उनका व्यावसायिक अनुप्रयोग अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। इससे शोधकर्ताओं को रंगीन चावल के बायोएक्टिव अवयवों का उपयोग करने का अवसर मिलता है जिसे खाद्य रंग, खाद्य योजक, पोषक तत्व अनुपूरक और पैकेजिंग के लिए उपयोग किया जा सकता है और पिग्मेंटेड चावल का उपयोग विभिन्न खाद्य उत्पादों, जैसे बर्फी, आइसक्रीम, इडली, पोषण ऊर्जा बार, चॉकलेट, केक, पास्ता और खीर आदि को तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जो भविष्य में मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए लाभकारी प्रभाव देगा। कुलपति महोदय द्वारा यह संदेश दिया गया कि दैनिक जीवन में इस कम उपयोग किए गए पिगमेंटेड चावल का उपयोग करें और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें।